include outstanding dues from the concerned SEBs against sale of power, liability on account of man-power absoruption, status of input tie-up, unit size, scope of expansion, health of the plant etc.

(d) No, Sir.

(e) Does not arise.

Delay in Vizag Power Project

268. DR. Y. LAKSHMI PRASAD:
SHRI YERRA NARAYANASWAMY:

Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether Vizag power project fails to break jinx and is being delayed;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) the measures proposed to make the Railways and Coal Ministries give "concessions" to this fast-track project for its early completions?

THE MINISTER OF POWER, MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI P.R. KUMARAMANGALAM): (a) to (c) The 1040 MW Visakhapatnam Thermal Power Project in Andhra Pradesh being promoted by M/s Hinduja National Power Corporation Limited (HNPCL) has received the counter guarantee of Government of India on August 19, 1998. M/s HNPCL has since signed the requisite agreements with the concerned agencies of the Central Government and according to information available, are presently resolving certain issues relating to the Power Purchase Agreement with Andhra Pradesh State Electricity Board and negotiating with the financial institutions and foreign lenders for financing the project. The project is scheduled for commissioning after 44 months from the date of financial closure by the promoters.

बिजली उत्पादन की लागत का अनुमान

269. श्री कपिल सिब्बल:
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में बिजली उत्पादन की लागत दर का अनुमान लगाया है,

(ख) यदि हां, तो 1998-99 के वित्तीय वर्ष के दौरान देश में तापीय, पन विद्युत और आणविक क्षेत्रों में बिजली उत्पादन की औसत लागत की दर कितनी-कितनी होने का अनुमान है,

(ग) क्या यह भी सच है कि देश में बिजली उत्पादन की लागत दर विश्व की तुलना में बहुत अधिक है; और

(घ) यदि हां, तो अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बिजली उत्पादन की औसतन लागत दर क्या है?

विद्युत मंत्री, संसदीय कार्य मंत्री और गैर पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्री (श्री पी० आर० कुमारमंगलम): (क) और (ख) तकनीकी-आर्थिकी स्वीकृति (टी०ई०सी०) के समय प्रस्तुत अनंतिम वित्तीय पैकेजों के आधार पर केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (के०वि०प्रा०) द्वारा स्वीकृत ताप विद्युत और विद्युत परियोजनाओं की उत्पादन लागत वर्ष 1993 से 1999 के बीच क्रमशः 1.88 रु० प्रति कि०वा० घं० से 3.61 रु० प्रति कि०वा०घं० और 1.34 रु० प्रति कि०वा०घं० से 3.8 रु० प्रति कि०वा०घं० तक भिन्न-भिन्न है। न्यूक्लीयर विद्युत परियोजनाओं के मामले में वर्ष 1996 से 2001 के बीच विद्युत बिक्री की दर 0.82 रुपये से 2.13 रुपये प्रति कि०वा०घं० तक भिन्न-भिन्न है।

(ग) और (घ) ईंधन की लागत, ईंधन लाने ले जाने की लागत, पूंजीगत लागत, कर प्रणाली आदि में विभिन्नता के कारण विद्युत उत्पादन की लागत की तुलना में विभिन्न देशों की विद्युत उत्पादन लागत से करना कठिन है।

Chamera Phase-II

270. SHRI ANIL SHARMA: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that 300 MW Chamera Phase-II is going to be implemented by NHPC; and

(b) if so, the details thereof including the project cost and expected deadline for its completion?

THE MINISTER OF POWER, MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI P.R. KUMARAMANGLAM): (a) and (b) The Chamera Hydro-electric Project Stage-II is being processed for an investment decision. The Project which has been entrusted to NHPC will require an investment of Rs. 1,684.02 crores at August, 1998, price level including IDC and financing charges of Rs. 267.68 crores based on the lowest evaluated offer of M/s. Indo Canadian Hydro Consortium (ICHC). The project is scheduled to be completed in a period of 5 years.

नर्मदा और ताप्ती नदियों से बिजली उत्पादन हेतु सर्वेक्षण

271. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्लाः** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या नर्मदा और ताप्ती नदियों से पन विद्युत उत्पादन के संबंध में मंत्रालय द्वारा कोई व्यापक सर्वेक्षण कराया गया है;

(ख) यदि हां, तो उन विभिन्न स्थानों की अनुमानित विद्युत उत्पादन क्षमता कितनी है जहां पर पन-विद्युत उत्पादन किया जा सकता है;

(ग) क्या इन नदियों से पन-विद्युत उत्पादन के संबंध में सभी राज्यों से परामर्श कर लिया गया है; और

(घ) यदि हां, तो इस दिशा में अब तक क्या प्रगति हुई है?

विद्युत मंत्री, संसदीय कार्य और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्री (श्री पी०आर० कुमारमंगलम): (क) और (ख) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा 1978 से 1987 के दौरान "देश में प्रमुख/मध्यम स्कीमों की जल विद्युत शक्यता के पुनः मूल्यांकन" के लिए किए गए अध्ययनों के अनुसार नर्मदा और ताप्ती नदियों की जल विद्युत शक्यता क्रमशः 1321 मे०वाट और 119.5 मे०वाट (60% भार अनुपात पर) आंकी गई है जिसका ब्यौरा विवरण में दिया गया है। (नीचे देखिए)।

(ग) सम्बन्धित राज्य नर्मदा जल विवाद अधिकरण पंचाट के अनुसार सरदार सरोवर परियोजना से विद्युत के उत्पादन पर सहमत हो गए हैं। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के मध्य गठित एक अंतराज्यीय नियंत्रण बोर्ड ताप्ती नदी पर परियोजनाओं के निर्माण और मानीटरण के लिए निदेश/मार्गदर्शी सिद्धांत प्रदान करता है।

(घ) उपरोक्त मूल्यांकित क्षमता में से, नर्मदा और ताप्ती नदियों पर क्रमशः 984.8 मे०वात और 83.7 मे०वा० की जल विद्युत स्कीमें या तो पहले ही विकसित कर ली गई है अथवा निर्माण की विभिन्न अवस्थाओं में है।

विवरण

क्र०सं०	स्कीम का नाम	नदी	60% भार अनुपात पर शक्यता (मे०वा०)
(क)	**नर्मदा नदी में जल विद्युत स्कीमें**		
1.	रूसा	नर्मदा	6.2
2.	धर्मपुर	नर्मदा	4.7
3.	देवरी	नर्मदा	8.5
4.	रिसवानी	नर्मदा	14.6
5.	बसनिया	नर्मदा	38.3
6.	बारगी	नर्मदा	74.6
7.	जहानपुर	नर्मदा	47.7
8.	नर्मदा सागर	नर्मदा	449.8